भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2157
दिनांक 15 दिसम्बर, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

एच9एन2 के मामले

2157. श्री विनोद कुमार सोनकर:
श्री एंटो एन्टोनी:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
डॉ. जयन्त कुमार राय:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री राजा अमरेश्वर नाईक:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री प्रतापराव जाधव:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को उत्तरी चीन में एच9एन2 वायरस के मामलों और बच्चों में सांस संबंधी बीमारियों के प्रकोप की जानकारी है और वह इसके प्रकोप की निगरानी कर रही है और यदि हां, तो देश में रिपोर्ट किए गए मामलों और देखे गए लक्षणों का ब्यौरा क्या है;

(ख) एच9एन2 के प्रकोप की पृष्ठभूमि में देश में एवियन इन्फ्लुएंजा के संबंध में उठाए गए कदमों/किए गए उपायों और मानवों में इसके संक्रमण के जोखिमों संबंधी किए गए आकलनों का ब्यौरा क्या है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या परिणाम प्राप्त हुए;

(ग) सरकार द्वारा कोविड वैश्विक महामारी के बाद से देश में स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है; और

(घ) क्या सरकार का बीमारियों के प्रकोप की जांच करने और मनुष्यों, पशुपालकों और वन्य जीव क्षेत्रों में निगरानी को सुदृढ़ करने के लिए कोई निगरानी/समन्वय इकाई स्थापित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या निवारक कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

(क) से (घ): विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने दिनांक 14 नवंबर, 2023 की अपनी रिपोर्ट में सूचित किया है कि दिनांक 7 नवंबर, 2023 को चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने एवियन इन्फ्लुएंजा ए (एच9एन2) के एक सत्यापित मामले की सूचना दी है। साझा की गई रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में, चीन में एवियन इन्फ्लूएंजा ए (एच 9 एन 2) (मृत्यु रहित) के साथ कुल 7 मामले सामने आए हैं। इस मामले से संबंधित एवियन इन्फ्लुएंजा ए (एच9एन2) के किसी क्लस्टरिंग या प्रकोप की सूचना विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा नहीं दी गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा समग्र जोखिम मूल्यांकन से पता चलता है

कि मानव से मानव में संक्रमण फैलने की संभावना कम है और डब्ल्यूएचओ को अब तक सूचित एच9एन2 के मानव संबंधी मामलों में मृत्यु दर कम रही है।

समुदाय में एवियन इन्फ्लूएंजा के प्रकोपों के नियंत्रण और रोकथाम में सहायता करने के लिए, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एवियन इन्फ्लुएंजा के मानव संबंधी मामलों के प्रबंधन के लिए एक आकस्मिक योजना जारी की है जिसमें निगरानी, आइसोलेशन और क्वेरेनटाईन संबंधी दिशानिर्देश, परीक्षण प्रोटोकॉल, संक्रमण, रोकथाम और नियंत्रण (आईपीसी) प्रोटोकॉल, केमो-प्रोफिलैक्सिस और उपचार प्रोटोकॉल के साथ-साथ की जाने वाली आईईसी क्रियाकलापों के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया है। इसी प्रकार, पशुपालन विभाग ने एवियन इन्फ्लुएंजा के निवारण, नियंत्रण और रोकथाम के लिए कार्य योजना भी जारी की है जो पशु आबादी में निगरानी और प्रकोप रोकथाम उपायों के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करती है।

मनुष्यों में रोग की निगरानी के संदर्भ में, रोग प्रकोपों का समय पर पता लगाने की अनुमति देने के लिए, एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के तहत रोग निगरानी क्रियाकलापों को मजबूत किया गया है, जिसके तहत प्रशिक्षित रैपिड रिस्पांस टीमों (आरआरटी) के माध्यम से प्रकोप अनुक्रिया की एक विकेन्द्रीकृत प्रणाली प्रकोप नियंत्रण और रोकथाम संबंधी उपायों के लिए अपेक्षित जन स्वास्थ्य संबंधी उपाय करती है।. पशुपालन विभाग द्वारा अपनी पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण योजना के अंतर्गत पशुओं की आबादी में बीमारियों के लिए निगरानी की जाती है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय जूनोसिस की रोकथाम और नियंत्रण के लिए नेशनल वन हेल्थ कार्यक्रम के तहत रोग निगरानी, संयुक्त प्रकोप नियंत्रण और रोकथाम कार्यकलापों के संदर्भ में समन्वय और सहयोग को सुकर बनाने के साथ-साथ जूनोटिक रोगों के प्रकोप का समय पर पता लगाने और उसे कम करने के लिए सामुदायिक जागरूकता में सुधार करके मानव, पशु और वन्यजीव स्वास्थ्य क्षेत्रों के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए कार्य कर रहा है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के माध्यम से महामारी जैसी जन स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों के कारण किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य प्रणाली के सुदृढ़ीकरण हेतु राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को निधि संबंधी सहायता प्रदान की गई है।

वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान, स्वास्थ्य अवसंरचना ढांचे को मजबूत करने, प्रयोगशाला नेटवर्क का विस्तार करने, निगरानी, चिकित्सा लॉजिस्टिक्स की अधिप्राप्ति आदि के लिए भारत कोविड-19 आपातकालीन अनुक्रिया और स्वास्थ्य प्रणाली तैयारी पैकेज (ईसीआरपी-1) के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को 8473.73 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है।

ईसीआरपी-चरण-II (वित्त वर्ष 2021-22) के अंतर्गत , समुदाय के करीब ग्रामीण, जनजातीय और अर्ध-शहरी क्षेत्रों सहित स्वास्थ्य संबंधी अवसंरचना को बढ़ाने कोविड-19 मामलों (बाल चिकित्सा परिचर्या सहित) के प्रबंधन के लिए जिला और उप-जिला स्तरों पर औषधियों और नैदानिक सामग्रियों की खरीद के लिए सहायता प्रदान करने और औषधियों का बफर बनाए रखने; सभी जिलों में टेली-परामर्श तक पहुंच का विस्तार करने के लिए राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को 12,740.22 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई है। इसके अलावा, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर प्लांट/पीएसए (प्रेशर स्विंग एडसॉर्पशन प्लांट) संयंत्रों की स्थापना के मामले में भी राज्यों को सहायता प्रदान की गई है।

जन स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों के प्रति हमारे देश को बेहतर ढंग से तैयार करने के दीर्घकालिक लक्ष्य के साथ, किसी भी नई और उभरती बीमारी की पहचान और प्रबंधन के लिए प्राथमिक, माध्यमिक और विशिष्ट स्वास्थ्य परिचर्या सुविधाओं / प्रणालियों और संस्थानों की क्षमता बढ़ाने के इरादे से प्रधान मंत्री - आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) की शुरूआत की गई है।

*****